विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

www.vidarbhswabhiman.com

❖ अमरावती, गुरूवार 27 जून से 3 जुलाई 2024 ❖वर्ष :15 ❖अंक- 01 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881 पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

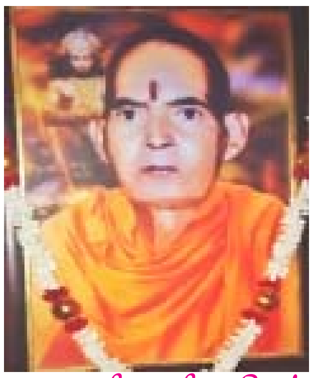

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

ज़ीवन की खुशियां अकेले तक जब हम लेते हैं तो प्राकृतिक आनंद कभी नहीं आ सकता है. लेकिन उन खुशियों को जब बांटने का प्रयास करते हैं तो निश्चित तौर पर आनंद की प्राप्ती होती है. दूसरों को खुश देखकर जो लोग खुश होते हैं, उनकी खुशी को ग्रहण नहीं लगने की जिम्मेदार साक्षात परमात्मा निभाते हैं. इसलिए स्वयं के साथ ही अन्यों को भी खुश रखने का सदैव प्रयास करें. इससे मिलने वाली खुशी आपके जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति के द्वार खोलेगी. जीवन प्लस परमार्थ बराबर खुशी होता है.

राज्य विधानमंडल का मानसून सत्र आज से

क़ल पेश होगा बजट, विपक्ष ने विफलता का आरोप लगा चाय का किया बहिष्कार

विदर्भ स्वाभिमान,26 जून

मुंबई- महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन ने विधानसभा के मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चाय पार्टी का बहिष्कार किया. सरकार पर किसानों और आम जनता के मुद्दों का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया.

क़ल पेश होना है राज्य का बजट- यह घोषणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार और गठबंधन सहयोगी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अंबादास दानवे ने की. मुंबई में 27 जून से 12 जुलाई तक आयोजित होने वाले सत्र के दौरान महायुति गठबंधन सरकार 28 जून को विधानमंडल के दोनों सदनों में राज्य का बजट पेश करेगी.

लोकसभा चुनावों को देखते हुए राज्य का अंतरिम बजट फरवरी में पेश किया गया था. वडेट्टीवार ने कहा कि विपक्षी दलों ने महायुति गठबंधन सरकार के भ्रष्टाचार में लिप्त होने के विरोध में हाई-टी का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है.उन्होंने किसानों की दुर्दशा को नजरअंदाज किया और विभिन्न परियोजनाओं की लागत में वृद्धि के माध्यम से करदाताओं के पैसे की ठगी की है.

वडेट्टीवार और उनकी पार्टी के ही सहयोगी बालासाहेब थोराट, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक जितेंद्र अव्हाड और दानवे के अलावा छोटे दलों के नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन में भाग लेकर एकजुटता दिखाई.

संपादकीय

मौसम की आंखमिचौली बनेगी फिर किसानों की शत्रु

मौसम के मिजाज ने जहां सभी को त्रस्त कर दिया है, वहीं थोड़ी सी बारिश के बाद भीषण गर्मी की उमस से सभी त्रस्त हैं.किसानों की चिंता जहां बढ़ गयी है, वहीं मौसम के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों ने लोगों को त्रस्त कर दिया है. ऐसे में किसानों के साथ ही आम आदमी त्रस्त है. पहले ही महंगाई ने लोगों का सुख-चैन छीन लिया है, ऐसे में मौसम की मार ने सभी को बेजार कर दिया है. पूरा जून का महीना जाने को है, झलक दिखला जा की तर्ज पर थोड़ी सी बारिश होती है, इसके बाद की उमस लोगों को त्रस्त कर दिया है. किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे बारिश का इंतजार कर रहे हैं. मौसम की यह अनियमितता लोगों को अब सताने लगी है. पर्यावरण में होने वाला यह बदलाव निश्चीत तौर पर भविष्य के लिए खतरनाक संकेत के साथ ही यह देखना भी जरूरी है कि मौसम में आने वाले इस बदलाव के लिए इन्सान ही तो जिम्मेदार नहीं है. पेड़ों की कटाई, नैतिकता का पतन, बढ़ती बेईमानी और अन्य कारक तो पर्यावरण पर असर नहीं डाल रहे हैं. इसके बारे में सोचने की जरूरत आन पड़ी है.

शहर के साथ ही जिले में बारिश के गायब होने के कारण परेशानी बढ़ी है. किसानों के चेहरों पर चिंता है. कृषि विभाग के साथ ही मौसम विभाग की भविष्यवाणी भी प्रभावित हो रही है.नौवीं बार इस तरह की स्थिति पैदा हो रही है. इसमें बारिश के जून महीने में सही तरीके से नहीं बरसने से बुआई का कार्यक्रम जहां प्रभावित होता है,वहीं दूसरी ओर अन्य कारण भी त्रस्त करते हैं. किसानों के साथ ही आम व्यक्ति जहां चिंतित है, वहीं दूसरी ओर बीमारों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. ऐसे में लोगों में चिंता सताने लगी है. विशेष रूप से किसानों में अत्याधिक चिंता है. बारिश अगर देरी से हुई तो बुआई के साथ ही सभी काम प्रभावित होगा. लोगों में बारिश को लेकर अपार चिंता देखी जा रही है. इस बीच मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 19 जून के बाद अमरावती सहित विदर्भ में मान्सून का आगमन हो सकता है. लेकिन पूरा महीना जाने के बाद भी बारिश ने केवल झलक दिखलाने का काम किया है. भीषण गर्माहट के कारण लोग बेहाल हो रहे हैं. पानी अभी तक नहीं आने के कारण सभी चिंतित और आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं. नौतपा में नहीं तपने के बाद इन दिनों जिस तरह से भीषण गर्मी लोगों को त्रस्त कर रही है.पर्यावरण के महत्व को समझते हुए हर व्यक्ति को पेड़ लगाने तथा इसका संवर्धन करने के लिए आगे आना होगा.

पर्यावरण के साथ चलने का संकल्प लें

विदर्भ स्वाभिमान
मेरी तो खरी-खरी
www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

पर्यावरण में आने वाले बदलाव, समय पर बारिश नहीं होने के साथ ही इसका स्वास्थ्य पर जिस तरह से असर पड़ता है, उसके लिए स्थायी हल ढूंढने की जिम्मेदार हर इन्सानी पर है. हर व्यक्ति को इस जिम्मेदारी को निभाने का और प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही पर्यावरण संतुलन में अपना अधिकाधिक योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. वर्तमान में बारिश गायब होने के बाद जिस तरह से उमस का सामना हर जीव को करना पड़ रहा है, इसके बारे में भी मंथन किया जाना चाहिए. आखिर यह स्थिति क्यों आयी है. मौसम में बदलाव के लिए हम जिम्मेदार हैं, सरकारी यंत्रणा अपना काम कर रही है लेकिन जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा भी फर्ज बनता है कि हम इसके लिए कुछ करने का प्रयास करें. सवाल यह है कि जब वसुंधराहरीभरी रहेगी तो कई समस्याओं का समाधान तो वैसे ही हो जाएगा.

आगामी बारिश के समय धरती को पूरी तरह से हराभरा करने के संकल्प के साथ ही हर व्यक्ति को कम से कम एक-दो पौधे रोपित करने के साथ ही उनका संवर्धन करने और उसे बड़ा करने का प्रयास करना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर धरती की जहां शोभा बढ़ेगी, वहीं ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से भी हमें छुटकारा मिलेगा.

वसुंधरा की सुंदरता जिम्मेदारी

वसुंधरा की सुंदरता हरियाली से होती है. इसे हराभरा करना हर भारतीय की जिम्मेदारी है. सरकार के प्रयासों के साथ ही सभी को जी-जान से इसे अभियान का रूप देते हुए इस पुण्यकार्य में जुट जाना चाहिए. हमारे द्वारा लगाए गए पौधे के बड़े होने के बाद उसकी छांव में जितने जीव राहत लेंगे, उसका पुण्य हमें मिलेगा. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति ने हमें भरभरकर दिया है, दोनों जब एक-दूसरे का ख्याल रखेंगे तो ग्लोबल वार्मिंग की समस्या ही पैदा नहीं होगी. बारिश में पौधारोपण का सभी संकल्प लें.भारतीयों में अपार ताकत होती है. जब मिलकर काम करते हैं तो निश्चित ही इसका परिणाम भी चमत्कारिक होता है.

सरकार द्वारा अपने स्तर पर प्रयास किया जा रहा है. लेकिन केवल सरकार के भरोसे ही सब कुछ छोड़ने से भी काम नहीं चलेगा. हमें भी अपनी भूमिका निभाने का प्रयास करना होगा.हमारे बुजुर्गों ने हमें क्या दिया था और आगामी पीढ़ी को हम क्या दे सकते हैं, इसके बारे में चिंतन मनन करते हुए पौधारोपण को अभियान के रूप में लेना चाहिए. बारिश का महीना है, यह शुरू होने के बाद हमारे घर, आसपास जहां भी संभव हो सके, वहां पौधारोपण करने और उस पौधे को जिंदा रखने और बड़ा करने का महान कार्य जिस दिन हम सभी करेंगे, निश्चित तौर पर मौसम में भी सुधार होगा. मानव जीवन पूरी तरह से प्रकृति के अधीन है. प्रकृति अच्छी रहेगी तो हमारी प्रकृति यानी स्वास्थ्य भी बेहतरीन रहेगा.इसमें संदेह नहीं.

विघ्नहर्ता करते हैं दुखों का नाश

भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 25 जून, 2024 को है. भक्त व्रत रखते हैं और भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करते हैं. संकष्टी चतुर्थी का अर्थ है कृष्ण पक्ष का चौथा दिन और वह दिन, जब भक्त सभी कष्टों से मुक्ति पा सकते हैं. ऐसा माना जाता है कि जो भक्त शुद्ध इरादे और भक्ति के साथ भगवान विनायक की पूजा करते हैं, उन्हें सभी सुख, समृद्धि और सांसारिक सुखों का आशीर्वाद मिलता है.कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 2024: तिथि, पूजा समय, अनुष्ठान और महत्व,कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 2024,कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 25 जून 2024 को मनाई जा रही है . यह दिन भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित है और भक्तगण भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और व्रत रखते हैं. यह दिन आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाएगा. कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 2024 : तिथि और समय चतुर्थी तिथि आरंभ - जून 25, 2024 - 01:23 ऋ चतुर्थी तिथि समाप्त - जून 25, 2024 - 11:10,चंद्रोदय समय - 25 जून, 2024 - 09:38,कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 2024: महत्व,संकष्टी चतुर्थी का हिंदू धर्म में बहुत बड़ा धार्मिक महत्व है. चतुर्थी तिथि महीने में दो बार शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में आती है. एक है विनायक चतुर्थी और दूसरी है संकष्टी चतुर्थी. संकष्टी चतुर्थी का अर्थ है कृष्ण पक्ष का चौथा दिन और वह दिन जब भक्त सभी कष्टों से मुक्ति पा सकते हैं.भगवान गणेश भगवान शिव और देवी पार्वती के पुत्र हैं और यह शुभ दिन भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित है. भक्त सबसे प्यारे भगवान, गणपति जी की पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ प्रार्थना करते हैं. ऐसा माना जाता है कि जो भक्त शुद्ध इरादों और भक्ति के साथ भगवान विनायक की पूजा करते हैं, उन्हें सभी सुख, समृद्धि और सांसारिक सुखों का आशीर्वाद मिलता है. गणेश जी भक्तों के जीवन से सभी बाधाओं और बाधाओं को भी दूर करते हैं.

व्यास लेआऊट के चिंतामणी गणेश मंदिर की आरती में सहभागी भक्त.

कृष्ण पिंगला संकष्टी चतुर्थी 2024: पूजा अनुष्ठान, आपको सुबह जल्दी उठना चाहिए.2. किसी भी पूजा अनुष्ठान को शुरू करने से पहले स्नान करें.3. अपने घर और विशेष रूप से पूजा कक्ष को साफ करें. 4. भगवान गणेश की मूर्ति रखें और मूर्ति के सामने देसी घी का दीया जलाना चाहिए. विघ्नहर्ता की मनोभावे पूजा से जीवन के तमाम विघ्न दूर होकर जीवन सुखमय होता है.

विदर्भ स्वाभिमान
आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ क्यों होते हैं बीमार?

जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 07 जुलाई से,तैयारियां तेज

सनातन धर्म केवल काल्पनिक बल्कि सबूत के साथ महान होता है. यही कारण है कि भारतीय ग्रंथ शास्त्रों में जिन बातों का उल्लेख किया गया है, उनका सबूत आज भी मिलता है. करोड़ों भक्तों के आस्थास्थल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा इसकी मिसाल कही जा सकती है. साल 2024 में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई से हो रही है. भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा से 15 दिन पहले जगन्नाथ मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं क्योंकि भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं. क्या आप जानते हैं कि आखिर हर साल रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ बीमार क्यों होते हैं. इसको लेकर विश्व भर के भक्तों में अपार उत्सुकता रहती है. इसे यहां प्रस्तुत किया जा रहा है.

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है. हर साल यह उत्सव आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर मनाया जाता है. यात्रा में देश-विदेश से श्रद्धालु अधिक संख्या में शामिल होते हैं. इस दौरान यहां पर बेहद भव्य नजारा देखने को मिलता है.यात्रा में तीन

विशालकाय रथों पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और देवी सुभद्रा विराजमान होते हैं. सबसे आगे भगवान बलभद्र और बीच में बहन सुभद्रा जी और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ जी का रथ चलता है. इस दौरान लोग प्रभु के दर्शन पाने के लिए बेसब्री से इंतजार करते हैं.यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और देवी सुभद्रा रथ पर विराजमान होकर अपनी मौसी के घर जाते हैं. जहां वह सात दिन तक रुकते हैं. इसके बाद वह वापस आते हैं. यह परंपरा हर साल निभाई जाती है. पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार भगवान श्री कृष्ण बहन सुभद्रा और भाई बलराम के साथ अपनी मौसी के घर पुरी गए थे, तो उन्होंने वहां पर स्नान किया, जिसके बाद वह तीनों भाई-बहन बीमार पड़ गए.इसके बाद उनके इलाज के लिए राज नाम के वैद्य को बुलाया गया, जिसके बाद वह 15 दिन में सही हो गए. इसके बाद तीनों भाई-बहन नगर के भ्रमण के लिए निकले. तभी से हर साल इस परंपरा को निभाया जाता है.पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 07 जुलाई, 2024 को सुबह 04 बजकर 26 मिनट पर होगी. वहीं, इसका समापन 08 जुलाई, 2024 को सुबह 04 बजकर 59 मिनट पर होगा. ऐसे में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई से हो रही है. इस यात्रा में लाखों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं. मंदिर में सालभर भक्तों की भीड़ सदैव रहती है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 / 43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

आराधना परिवार के शिविर को भव्य प्रतिसाद,150 बोतल रक्त हुआ जमा

लोगों के प्यार पर संचालक पूरणसेठ हबलानी ने जताई प्रसन्नता

विदर्भ स्वाभिमान, 26 जून

अमरावती- सफलतम व्यवसायी के साथ सामाजिक कार्य में अग्रणी आराधना प्रतिष्ठान द्वारा 20 जून को जवाहर रोड स्थित शो रूम में आयोजित रक्तदान शिविर को व्यापक प्रतिसाद मिला. रक्त की किल्लत के दौर में 150 से अधिक रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया. इसके लिए संचालक पूरणसेठ हबलानी तथा आराधना परिवार ने सभी के प्रति कृतज्ञता जताई. सुबह 11 बजे से आयोजित इस शिविर में सामाजिक दायित्व की भावना से अधिकाधिक संख्या में युवाओं ने भाग लेकर जहां आराधना परिवार के सामाजिक कामों में सहयोग किया, वहीं महेन्द्र भुतड़ा, अजय दातेराव के साथ ही पीडीएमसी के रक्तपेढ़ी के डाक्टरों और कर्मचारियों का जबर्दस्त सहयोग मिला. इसके लिए आराधना परिवार के प्रमुख पूरणलाल हबलानी ने संबंधितों के प्रति कृतज्ञता जताई. साथ ही सदैव नेक कामों में इसी तरह का सहयोग मिलने का विश्वास जताया.उनके मुताबिक गर्मी के दिनों में रक्त की कमी के कारण कई गरीब मरीजों के लिए समस्या पैदा होती है. कई बार बात जान पर बन आती है. इसको ध्यान में रखते हुए आराधना परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से इस शिविर का आयोजन किया जाता है. इसे लोगों का अपार प्रतिसाद मिलता है. स्वयं पूरणसेठ हबलानी ने सहपरिवार रक्तदान किया. इसकी भी सराहना की जा रही है. उनके मुताबिक मानव खून जिंदगी देने वाला है. ऐसे में युवाओं को अधिकाधिक पैमाने पर रक्तदान के माध्यम से सामाजिक दायित्व निभाने का प्रयास करना चाहिए. शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को भेंट एवं प्रमाणपत्र भी प्रतिष्ठान की ओर से प्रदान करते हुए सम्मानित किया ग़या. शिविर में जमा 150 यूनिट का उपयोग गरीबों के लिए किया जाएगा.रक्तदान के सफल आयोजन में डॉ.पंजाबराव देशमुख स्मृति वैद्यकीय अस्पताल की रक्तपेढ़ी के साथ ही रक्तदान समिति के अध्यक्ष महेन्द्र भुतड़ा, अजय दातेराव सहित सभी संबंधितों से प्राप्त सहयोग के लिए कृतज्ञता जताते हुए सदैव नेक कामों में इसी तरह का सहयोग मिलने का भरोसा जताया. लोगों द्वारा दिए गए प्रतिसाद से यह शिविर शानदार साबित हुआ और सभी के प्रति कृतज्ञ जताई.

ख़ुशियां पाने की चाहत के साथ देना सीखो

पं.प्रदीप मिश्रा की सीख, शब्दों से भी किसी के दिल को दुःख पहुंचाना होता है सबसे बड़ा पाप

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

रिश्तों की महत्ता को समझें,सम्मान दें

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा क़ा कहना है कि आज हर रिश्ते को स्वार्थ की जंग लगती जा रही है. काम रहने तक ही सभी रिश्ते निभाए जाते हैं. गरज निकलने के बाद कोई किसी का नहीं रहने का एहसास होता है. यही कारण है कि हमारा दिल ही हमसे नाराज हो रहा है. परिवार में आत्मीयता का अभाव है. पिता के त्याग, मां की तपस्या को भी कई लोग मानने के लिए तैयार नहीं रहते हैं. ऐसे में परिवार में खुशी कहां से आएगी. माता-पिता का जिस घर में सम्मान नहीं होता है, उस घर से साक्षात लक्ष्मी भी रूठ जाती हैं और वह घर बीमारियों तथा तनाव से भरा होता है. इसलिए रिश्तों को समझें और खुश रहें.

मानव जीवन मिला है, इसमें जब धर्म और परमार्थ का सहारा लिया जाता है तो यह संवर जाता है. लेकिन जब जीवन में हम केवल पद,प्रतिष्ठा का गुरूर करते हैं तो यह बिगड़ना शुरू हो जाता है. अपने किसी हूनर पर कभी गर्व नहीं करना चाहिए. भाग्य तो कर्म से बनता है. अगर हमारा कर्म अच्छा है तो निश्चित तौर पर भाग्य बनेगा. लेकिन जब कर्म बुरा होगा तो निश्चित तौर पर हमें उसका बुरा नतीजा भुगतना ही पड़ता है. जीवन में जितना संभव हो सदैव परमार्थ भाव रखना चाहिए. कोशिश करना चाहिए कि अगर हम किसी को खुशी नहीं दे सकते हैं तो दुःख कदापि नहीं देंगे. जीवन में जो लोग दूसरों को खुशी देने की मानसिकता रखते हैं, उनकी खुशी की चिंता सदै भोलेनाथ करते हैं. इस आशय की सीख अपनी शिवपुराण कथाओं के माध्यम से पंडित प्रदीप मिश्रा देते हैं.

परिवार है सुख का सबसे बड़ा माध्यम

बिगड़ती परिवार व्यवस्था का अपनी हर कथा में जिक्र करने वाले पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक परिवार से बड़ा सुख का माध्यम दूसरा नहीं हो सकता है. लेकिन हिन्दू परिवारों में जब से हम दो, हमो दो वाली संस्कृति आयी है, परिवार कमजोर होने के साथ ही परिवार के हर सदस्य तनाव के दौर से गुजर रहे हैं. पहले संयुक्त परिवार में खुशियां भी बांटी जातीथी और दुःख भी इस तरह बांट लेते थे, एक-दूसरे का मनोबल साबित होते थे कि तनाव का पता नहीं चलता था. आज तनाव बीमारियों को जन्म दे रहा है. पैसा है लेकिन करने वाला कोई नहीं है. विश्वास के अभाव में सदैव परेशानी बढ़ रही है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम जीवन में किसी पर विश्वास करेंगे तो कोई हम पर करेगा. अपवाद तो हर बात में होती है.

विदर्भ स्वाभिमान
कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

अमरावती -शहर पुलिस में सेवारत रहते समय उल्लेखनीय कार्य करने के लिए राज्य पुलिस महासंचालक के सेवा पदक विजेता प्रवीण बुंदेले उर्फ लच्छू बुंदेले का सत्कार देवनाथ मठ के मठाधीश पूज्य जीतेन्द्र महाराज के हाथों हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल प्रांगण में किया गया. भोलेनाथ भक्त प्रवीण बुंदेले समर्पित पुलिस जवान के रूप में सेवा देने के साथ ही सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों में भी यथासंभव योगदान देने के लिए तत्पर रहते हैं. यही कारण है कि पुलिस के साथ ही सामान्य लोगों के भी चहेते बने हुए हैं.

ओमप्रकाश बिरला बने लोकसभा स्पीकर

नई दिल्ली - एनडीए के प्रत्याशी ओमप्रकाश बिरला फिर एक बार लोकसभाध्यक्ष के रूप में ध्वनिमत से चुन लिए गए हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा था. एनडीए के तेरह नेताओं के साथ ही विपक्ष के भी चार नेताओं ने उनके नाम का समर्थन किया. विपक्ष की ओर से शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के अरविंद सावंत ने के. सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखाइंडिया गठबंधन के चार नेताओं ने समर्थन किया. हालांकि वोटिंग की नौबत नहीं आयी और ध्वनिमत से बिरला के नाम को स्वीकार किया गया. यह उनका दूसरा लोकसभाध्यक्ष के रूप में कार्यकाल होगा. पद संभालते ही उन्होंने तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी द्वारा 25 जून 1975 को लाए गए आपातातकाल की निंदा करने वाला प्रस्ताव रखते हुए इसके लिए मौन रखने के लिए कहा.

सब्जियों में लगी है आग,जीवनावश्यक वस्तुओं की कीमतें भी आसमान पर

गरीबों का जीना हो रही कठिन, बढ़ रहा है तनाव

अमरावती - भीषण महंगाई के कारण गरीबों , मध्यमवर्गी यों की सांस फूलने वाली स्थिति पैदा हो गई है. निजी क्षेत्र में सेवारत लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय है. महंगी सब्जियों के कारण यह गरीबों की थाली से दूर होने की जहां नौबत आ गई है, वहीं गेहूं, चावल और अन्य जीवनावश्यक वस्तुओं की कीमतों में हर सप्ताह हो रही बढ़ोत्तरी के कारण लोग त्रस्त हैं. राजनीतिक जुमलेबाजी चल रही है लेकिन लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज वाली स्थिति है. इससे गरीब और मध्यमवग्गीय परिवारों में तनाव तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है. सरकारी नौकरी, व्यापारियों को छोड़ दिया जाए तो आज हर व्यक्ति जबर्दस्त तनाव से गुजर रहा है. महंगाई ने सभी की नींद छीन ली है. ऐसे में किसी तरह से जीवन यापन की नौबत सभी पर आ गई है. यह समझने के लिए किसी अर्थशास्त्री को बुलाने की जरूरत नहीं है. महंगाई का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है. ऐसे में नेताओं की संवेदनहीनता किसी को भी चुभने लगी है.

सब्जी के साथ ही किराणा जिस तरह से महंगा हो रहा है, उसके कारण लोगों को पसीना छूट रहा है. इसमें सबसे अधिक वह गरीब पिस रहा है, जिसकी आय तो नहीं बढ़ी है लेकिन महंगाई ने दो जून की रोटी भी मुश्किल कर दी है.महंगाई बेलगाम होती जा रही है लेकिन गरीबों के भरोसे विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री बनने वालों को इसकी कतई चिंता नहीं दिखाई दे रही है. अमरावती में आज सब्जियों की कीमतें आसमान छूं रही हैं. मुंबई, ठाणे, नई मुंबई तथा आसपास के क्षेत्र में होने वाली जीवनावश्यक वस्तुओं के साथ खाद्य तेल लोगों को रूला रहा है. चिल्लर बाजार में सभी प्रकार की सब्जियों की कीमत में बढोत्तरी हुई है. दाल की दरों में 10-20 रुपए की वृद्धि हुई है. थोक बाजार में सब्जी की दर लगाता बढ़ रही है. थोक में ढुलाई का खर्च बढ़ने से सब्जियों की कीमतों में मामूली बढोत्तरी हुई है लेकिन चिल्लर विक्रेताओं द्वारा ग्राहकों की बड़े पैमाने पर लुट की जा रही है.चिल्लर व्यापारियों ने वस्तुंओं की कीमतों में और अधिक वृद्धी की है. मुंबइ महानगर क्षेत्र में भिंडी 80 रुपए किलों प्याज 40-50, आलू 40 रूपए किलो के साथ ही सभी सब्जीयां आंखें दिखा रही हैं. टमाटर के साथ ही मिर्ची भी लोगों को तकलीफ दे रही है. कुल मिलाकर महंगाई ने लोगों को त्रस्त कर दिया है.

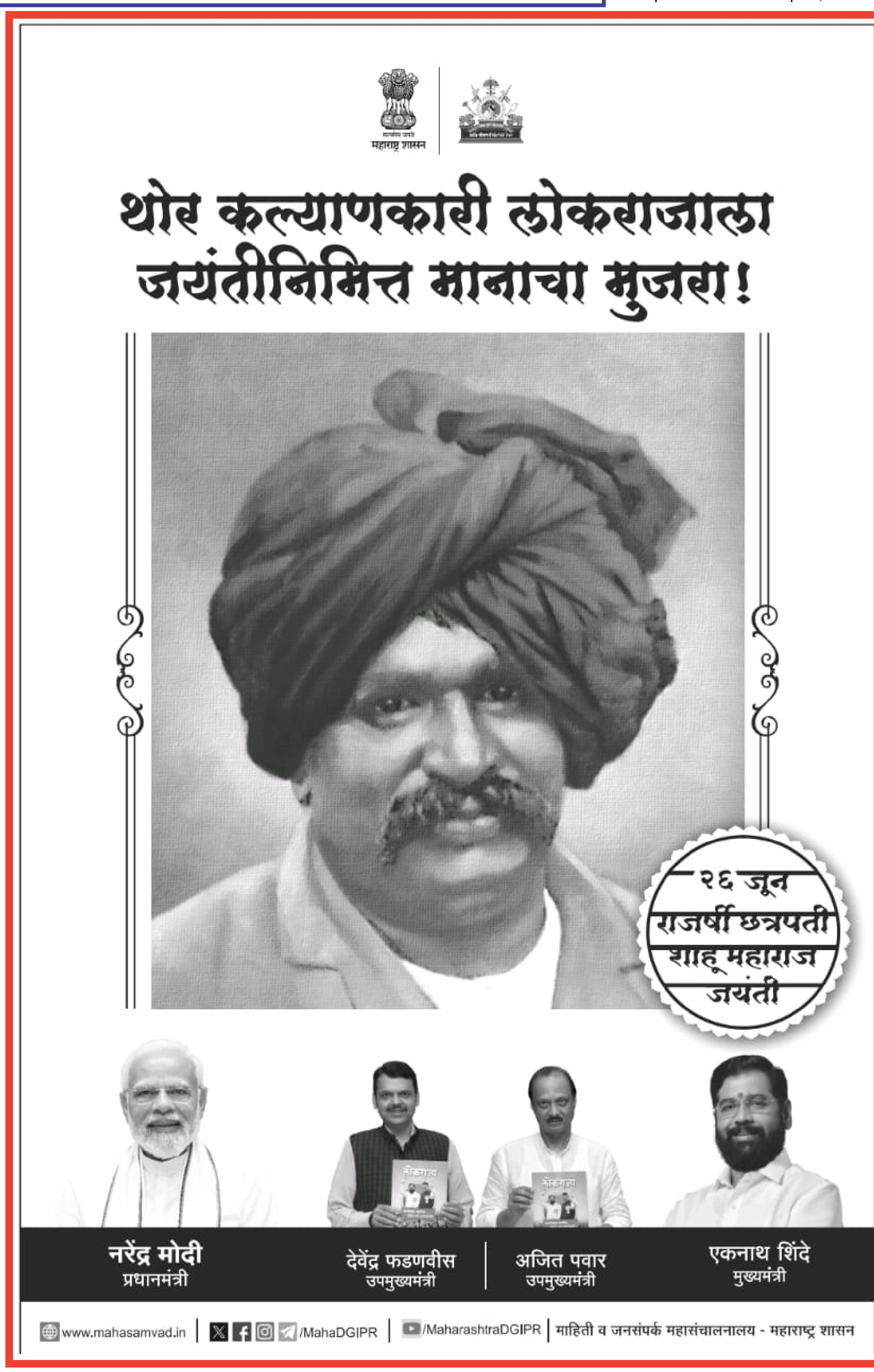

गर्भावस्था के दौरान देना चाहिए विशेष रूप से ध्यान

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं द्वारा की जाने वाली मामूली लापरवाही उनके तथा शिशु के लिए खतरनाक बन जाती है. ऐसे में महिलाओं को विशेष रूप से सतर्कता बरतने के साथ ही खानपान पर भी अत्याधिक संवेदनशील होते हुए ध्यान देना चाहिए. उनके द्वारा ध्यान देने से प्रसूति जहां बेहतरीन होती है, वहीं दूसरी ओर शिशु भी बेहतरीन होकर स्वस्थ होता है. लेकिन कई बार छोटी-मोटी बातों को दरकिनार करने से समस्या प्रसूति के दौरान तो होती ही है लेकिन शिशु के लिए भी तकलीफ वाली नौबत पैदा हो जाती है.

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को उनके शरीर में होने वाले बदलाव पर भी नजर रखने का प्रयास करना चाहिए. इसमें सीने में जलन होना आम बात है. इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए.गर्भावस्था में पाचनयंत्र कमजोर होने से सीने में जलन की परेशानी होती है.गर्भावस्था में इम्यूनिटी के साथ पाचन तंत्र भी कमजोर हो जाता है. इसका असर

खाने और पचाने पर भी होता है. कई बार इसके कारण उल्टी तथा अन्य समस्याएं भी पैदा हो जाती हैं. ऐसे में इस पर समय रहते ध्यान देने तथा डाक्टर से राय लेने पर इस समस्या से छुटकारा पाने में मदद मिलती है. इस समय पाचन ठीक नहीं हो अपने से और गर्भाशा में शिशु को जगह देने से आसपास के अंगों पर दबाव पड़ता है,जिससे पाचन से जुड़ी कई तरह की समस्याएं जैसे की गैस अपच और सीने में जलन हो सकती हैं.गर्भावस्था के 20 हफ्ते के बाद में यह परेशानियां और बढ़ जाती हैं.

महिलाओं को नमन और सम्मान

विदर्भ स्वाभिमान

नारी तू ही नारायणी

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189

9518528233

सेवा को परमो धर्म मानकर चलता है झेनिथ हॉस्पिटल

मानवता की सेवा ओतप्रोत हैं डॉ.प्रकाश राघानी,डॉ.नीरज राघानी, डॉ.संग्राम देशमुख, डॉ.स्वप्नील के साथ ही पूरी टीम,मरीजों को राहत देने तत्पर

कर्मचारियों की सेवाभावना किसी को भी करती है प्रभावित, अल्प समय में हासिल की लोकप्रियता

अमरावती - वर्तमान दौर में पैसे की लालच ने मानवता को प्रभावित किया है. सभी जानते हैं कि खाली हाथ आए हैं और इसी तरह जाना है लेकिन बावजूद इसके जब पैसे के लिए जब किसी अस्पताल में लाश नहीं देने वाला रवैया सामने आता है तो अत्याधिक दुख होता है. पैसा श्रेष्ठ हो सकता है लेकिन वह सर्वश्रेष्ठ कभी नहीं हो सकता है. इस दौर में भी कुछ लोग आज भी अपने क्षेत्र को गरिमा प्रदान कर रहे हैं, ऐसे ही लोगों में शामिल हैं झेनिथ हास्पिटल एन्ड टेरीटरी केयर सेंटर के संचालक डॉ. प्रकाश राघानी,डॉ.नीरज राघानी जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान होने का अनुभव पिछले कुछ दिनों के दौरान आया. जाने-माने कार्डियालॉजिस्ट होने के बाद भी उनकी विनम्रता, मरीजों के साथ दिखाई देने वाली आत्मीयता मरीजों के मनोबल को बढ़ाती है और इस जंग में जीत का विश्वास दिलाती है. जरूरतमंद मरीजों की हरसंभव मदद करने के साथ ही मरीजों को हिम्मत बंधाते हुए गंभीर से गंभीर किस्म के मरीज का मनोबल बढ़ाने, उसके परिजनों को आत्मीयता से समझाने का कार्य करते हैं. आज के दौर में इतनी व्यस्तता के बाद इस तरह का रवैया निश्चित ही सराहनीय है. अस्पताल के डाक्टरों के साथ ही सेवाभाव से ओतप्रोत रहने वाले कर्मचारी इस अस्पताल की सबसे बड़ी ताकत हैं. नर्स से लेकर वार्ड बॉय तक सभी मरीजों की सेवा में पूरे दिल से लगे रहते हैं. यह बात स्वयं मरीज स्वीकार करते हैं. गणेश अय्यर के पैर की पिछले दिनों इस अस्पताल में सर्जरी होने के बाद जिस तरह से डॉ.प्रकाश राघानी, डॉ. संग्राम देशमुख, डॉ. स्वप्नील नागे सर के साथ ही सभी डाक्टरों तथा कर्मचारियों द्वारा उनका ख्याल रखा जा रहा है, उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है, यह निश्चित ही यादगार अनुभव से कम नहीं है.

यह स्थिति अस्पताल में किसी एक मरीज नहीं बल्कि सभी मरीजों के लिए रहती है. इसका जिक्र स्वयं दिव्यांग गौरी अय्यर भी करती

हैं. उनके मुताबिक डॉ. राघानी और उनकी पूरी टीम उनके लिए किसी देवदूत से कम नहीं हैं. पैसा बहुत कुछ हो सकता है लेकिन सब कुछ नहीं हो सकता. इसका अनुभव इस अस्पताल में अक्सर मरीजों तथा उनके परिजनों को आता है. वहीं दूसरी ओर भगवान द्वारा देवदूत के रूप में भेजे गए डॉक्टर को लेकर जहां कई सवाल पैदा होते हैं, वहीं डॉ. राघानी जैसे डाक्टरों को वैद्यकीय सेवा क्षेत्र के लिए गौरव कहना गलत नहीं होगा.डॉ.प्रकाश राघानी द्वारा संचालित झेनिथ अस्पताल सेवा भाव से जहां परिपूर्ण है, वहां इस अस्पताल में आने वाले मरीज के दर्द को खत्म करने का प्रयास किया जाता है.स्वयं संवेदनशील डॉ.राघानी का मानना है कि मरीजों की सेवा के लिए सदैव प्रयास किया जाता है.महंगाई के दौर में यह भी उतना ही सच है कि अस्पतालों का संचालन किसी चुनौती से कम नहीं है.महंगी बिजली,कर्मचारियों के वेतन,डॉक्टर की आजीविका सहित कई विषयों से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही सच है कि डॉक्टर को लेकर आज भी मरीजों में अपार विश्वास होता है.समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण देश में लाखों लोगों की मौत हो जाती है.अस्पताल के डॉक्टर के साथ ही यहां के सभी कर्मचारी भी मानवता की सेवा से ओतप्रोत हैं, यह निश्चित ही सराहनीय है.यही कारण है कि अल्प समय में अस्पताल ने न केवल अमरावती बल्कि समूचे विदर्भ स्तर पर नाम कमाया है.डॉ. राघानी जाने माने कार्डियोलॉजिस्ट हैं.एमडी के साथ डीएम की डिग्री के साथ बड़े पैमाने पर प्रैक्टिस और अनुभव होने से इस अस्पताल में अच्छे होने वाले मरीजों की संख्या अन्यों की तुलना में बेटर कही जा सकती है.

मानवता की सेवा को महत्व

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए डॉ प्रकाश राघानी ने बताया कि उनके अस्पताल में कम से कम शुल्क में मरीज को बेहतरीन उपचार देने का प्रयास किया जाता है. कई मरीज ऐसे भी हैं जो यहां नियमित रूप से आने के साथ ही यहां की सेवाओं को लेकर संतोष जताते हैं. पैसा जरूरत है लेकिन इंसान से बढ़ कर नहीं है. इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में पहुंचने वाले हार्ट अटेक या अन्य बीमारियों के मरीजों पर पहले उपचार शुरू करने को प्राथमिकता दी जाती है.वह यह भी बताते हैं कि सभी मरीज एक जैसे नहीं होते हैं कुछ ऐसे भी मरीज होते हैं जिनके परिजन किए गए विश्वास को सार्थक करते हैं.

समर्पित कर्मचारी वर्ग

इस अस्पताल की दूसरी महत्वपूर्ण खूबी यह है कि अस्पताल की नर्स और वार्ड बॉय से लेकर सभी कर्मचारी केवल ड्यूटी नहीं करते हैं बल्कि ड्यूटी के दौरान मरीज को आत्मीयता के साथ सेवा देने का कार्य करते हैं.यही कारण है कि मरीज के 25 फीसदी दर्द को कम करने का कार्य अस्पताल के सेवा समर्पित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है, मनोबल बढ़ाने का काम डाक्टरों की टीम करने से मरीज को जल्द से जल्द राहत मिलती है. अस्पताल इसी तरह उत्तरोत्तर प्रगति करे, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की यही कामना.

श्वेता सुभाष दुबे
मार्केटिंग हेड, विदर्भ स्वाभिमान

गुरूवार 23-30 मई 2024

मेष

यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह मानना लाभदायी हो सकती है.

कुंभ

आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

सेवाभावी नितिन कदम मिले राकांपा सुप्रीमों पवार से

विदर्भ स्वाभिमान,26 जून

अमरावती- अपने सामाजिक कामों तथा जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए स्वयं को पूरी तरह से झोंकने वाले समाजसेवी तथा सफलतम व्यवसायी नितिन कदम एक-एक कदम तेजी से राजनीति में आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने राकांपा शरद पवार गुट के प्रमुख और पूर्व केन्द्रीय मंत्री शरद पवार से मुलाकात की. उनके सामाजिक कार्यों की जानकारी मिलने पर शरद पवार ने प्रसन्नता जताते हुए उन्हें उज्वल राजनीतिक सफलता की कामना की. इस समय उनकी मुलाकात के दौरान अपने कार्यों के साथ ही जनसेवा के कार्यों में किस तरह से प्रयास शुरू है, इसकी जानकारी भी दी. उन्होंने शरद पवार को देश का महान नेता बताते हुए कहा कि हर विषय पर उनकी गहन पकड़ है. शरद पवार के सिल्वर ओक स्थित निवासस्थान पर मुलाकात के बाद बडनेरा विधानसभा में नया राजनीतिक समीकरण सामने आने की संभावना से सनसनी मच गई है. यह मुलाकात आगामी विधानसभा चुनाव में क्या असर करती है, इसको लेकर चर्चाएं की जा रही हैं. संकल्प शेतकरी संगठन के अध्यक्ष नितिन कदम ने किसानों की विभिन्न समस्याओं पर भी राकांपा छत्रप शरद पवार से चर्चा करते हुए उनका मार्गदर्शन लिया. महाविकास आघाड़ी में लोकसभा चुनाव की सफलता के बाद जबर्दस्त उत्साह है, ऐसे में बडनेरा विधानसभा सीट को लेकर अभी से महाविकास आघाड़ी द्वारा नियोजन किया जा रहा है. राकांपा प्रमुख शरद पवार ने नितिन कदम के कामों की सराहना करते हुए उन्हें आगामी चुनाव के लिए शुभकामनाएं भी दी.

इसके अलावा नितिन कदम ने विधायक रोहित पवार से भी मुलाकात कर बडनेरा क्षेत्र के विकास पर चर्चा करते हुए उन्हें अपनी भावी योजनाओं से अवगत कराया. बताते हैं कि उनके कार्यों को जानकर रोहित पवार ने भी उन्हें उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हरी झंडी दी. इससे नितिन कदम समर्थकों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है. कर्जत जामखेड़ के विधायक रोहित पवार से मुलाकात के दौरान विकास नीतियों पर चर्चा की. कदम के सामाजिक कामों को देखते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव में राकांपा की टिकट के लिए हरी झंडी दी. शरद पवार से मुलाकात के दूसरे दिन रोहित पवार से उनकी मुलाकात को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. ऐसे में बडनेरा के राजनीतिक समीकरण प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है.

बडनेरा निवासी और सफलतम व्यवसायी नितिन कदम की लोकप्रियता तेजी से न केवल जिले में बल्कि सभी स्थानों पर बढ़ रही है. गरीबों की मदद, किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए वे जहां सदैव तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने जनता की सेवा को अपना उद्देश्य बना लिया है. राकांपा प्रमुख शरद पवार, रोहित पवार के बाद वे राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील के मुंबई निवासस्थान पर उनसे मिले और गहन चर्चा की. जयंत पाटील ने भी उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें हरी झंडी देते हुए आगामी चुनाव की तैयारियों में लगने को कहा. बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में बदलते राजनीतिक समीकरण और नितिन कदम की सक्रियता, विधायक रवि राणा को घेरने के लिए किए जाने वाले प्रयासों को लेकर राजनीतिक सनसनी वाली स्थिति है. नितिन कदम के शरद पवार सहित अन्यों से मुलाकात को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

राष्ट्रवाद को समर्पित नेता हैं योगी आदित्यनाथ

छात्र जीवन के दौरान उन्होंने कई सामाजिक गतिविधियों और आंदोलन,नेपाल तक फैले हैं उनके भक्त

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य योगीनाथ राष्ट्रवाद, राष्ट्र प्रेम के साथ निःस्वार्थ देश सेवा के लिए सुख्यात हैं. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हों ने जहां इस प्रदेश को विकास के मार्ग पर अग्रसर किया, वहीं अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है. देश के लिए कुछ भी करने वाली जहां प्रवृत्ति है, वहीं आज के दौर के नेताओं में वे बिरले हैं. आज भी उनका परिवार उसी स्थिति में है, जिस स्थिति में वे सन्यासी बनकर घर से निकलने की स्थिति में था. नेताओं में जहां धन जमा करने और राजनीति में सक्रिय रहने की भावना होती है, वहीं वे इसके अपवाद हैं. भारत ही नहीं तो नेपाल में उन्हें गुरू मानने वाले भक्तों की संख्या लाखों में है.

योगी आदित्यनाथ गोरखपुर जिले के दक्षिणपंथी लोकलुभावन हिंदूवादी तेजतर्रार राजनीतिज्ञ हैं. वे वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं. उनका जन्म अजय सिंह बिष्ट के रूप में पौड़ी गढ़वाल जिले में हुआ था. उन्होंने विज्ञान में स्नातक किया. अपने छात्र जीवन के दौरान उन्होंने कई सामाजिक गतिविधियों और आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया. 22 साल की उम्र में उन्होंने अपने पारिवारिक जीवन को स्वीकार किया और एक भिक्षु बन गए. एक स्थान पर भगवान की पूजा करने के बजाय, उन्होंने पूरे क्षेत्र में घूमने और जागरूकता फैलाने का विकल्प चुना. उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश में जनजागरण अभियान शुरू किया. उन्होंने अस्पृश्यता के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए सभी जाति और धर्मों के लोगों के साथ भोजन किया. उन्होंने 1998 में अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद बने. यूपी के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद उन्होंने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया.निजी जीवन में भी योगी आदित्यनाथ सन्यासी जैसे हैं. लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में बेहतरीन प्रशासक कैसा होना चाहिए, इसका आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है. उनका राजनीतिक जीवन योगी आदित्यनाथ के बारे में रोचक जानकारी योगी आदित्यनाथ की कुल संपत्ति योगी आदित्यनाथ जीवनी योगी आदित्यनाथ गोरखपुर जिले के दक्षिणपंथी लोकलुभावन हिंदूवादी तेजतर्रार राजनीतिज्ञ हैं. वे वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं. उनका जन्म अजय सिंह बिष्ट के रूप में पौड़ी गढ़वाल जिले में हुआ था. उन्होंने विज्ञान में स्नातक किया. अपने छात्र जीवन के दौरान उन्होंने कई सामाजिक गतिविधियों और आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया. 22 साल की उम्र में उन्होंने अपने पारिवारिक जीवन को स्वीकार किया और एक भिक्षु बन गए. एक स्थान पर भगवान की पूजा करने के बजाय, उन्होंने पूरे क्षेत्र में घूमने और जागरूकता फैलाने का विकल्प चुना. उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश में जनजागरण अभियान शुरू किया. उन्होंने अस्पृश्यता के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए सभी जाति और धर्मों के लोगों के साथ भोजन किया. उन्होंने 1998 में अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद बने. यूपी के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद उन्होंने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया. योगी आदित्यनाथ निजी जीवन पूरा नाम योगी आदित्यनाथ जन्म तिथि 05 जून 1972 है. शेष अगले अंक में

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क्री विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.